>

Title : Need to enhance the amount of stipend being paid to the students residing in School/College hostels in Andaman and Nicobar Islands.

श्री विष्णु पद राय : अध्यक्ष महोदया, अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में स्कूल होस्टल्स में एनडीए सरकार के कार्यकाल में जो स्टाइपेंड 110 रुपए था, जिसे बढ़ा कर 310 रुपए किया गया। यह बढ़ोतरी वर्ष 2002-03 में हुई थी। उसके बाद यूपीए सरकार के समय में होस्टल्स के बच्चों को आज भी 310 रुपए ही स्टाइपेंड मिल रहा है।...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Please sit down. Please take your seat.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : मुलायम सिंह जी, आप क्यों खड़े हो गए हैं। आप बैठ जाएं।

â€¦(व्यवधान)

श्री विष्णु पद राय : मतलब रोज 10 रुपए के हिसाब से स्टाइपेंड मिलता है, जिसमें सुबह ब्रेकफास्ट, दोपहर को लंच तथा चाय और रात में डिनर करते हैं। इसके परिणामस्वरूप बच्चे अपने घर से रुपया मंगा कर स्कूल होस्टल्स में खाना खाते हैं। इसी तरह से कालेज होस्टल्स में एनडीए सरकार ने अपने कार्यकाल में 300 रुपए स्टाइपेंड को बढ़ा कर 650 रुपए प्रति माह कर दिया था। मतलब रोजाना 20 रुपए मिलते थे। आज करीब सात-आठ साल बाद 650 रुपए ही प्रति माह स्टाइपेंड मिल रहा है, मतलब रोज बीस रुपए में सुबह का चाय, ब्रेकफास्ट, लंच, शाम की चाय और रात का खाना क्या संभव है?...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Please take your seat. Please listen to what Shri Ray says. Nothing will go on record except what Shri Bishnu Pada Ray says.

*(Interruptions) â€¦ **

श्री विष्णु पद राय : पोर्टब्लेयर में आईटीआई, पोलिटेक्नीक के जो छात्र होस्टल्स में रहते हैं, बहुत सालों से उनके मेस का पूरा खर्चा प्रशासन वहन करता है। स्कूल होस्टल्स तथा कालेज होस्टल्स भी पोर्टब्लेयर में ही स्थापित हैं। दोनों के लिए सामान एक ही बाजार से खरीदते हैं। छात्रों के बीच में स्टाइपेंड को लेकर भेदभाव क्यों किया जा रहा है?

मैं मांग करता हूं कि स्कूल होस्टल्स तथा कालेज होस्टल्स छात्रों को आईटीआई तथा पोलिटेक्नीक द्वारा होस्टल का जो खाने का खर्चा या मेस खर्चा है, वह पूरा खर्चा प्रशासन दे। अन्यथा कम से कम महीने में डेढ़ हजार रुपया दिया जाए।

लक्षद्वीप, पांडेचेरी, तमिलनाडु आदि राज्यों में मिड डे मील के नाम पर एक से बारह कक्षा तक छात्रों को भोजन दिया जाता है। जबकि अंडमान निकोबार द्वीप समूह में केवल एक से आठ कक्षा तक मिड डे मील दिया जाता है। ऐसा भेदभाव क्यों किया जा रहा है? यूटी के नाते जो लक्षद्वीप को एक से बारह कक्षा तक मिड डे मील मिलता है, इसी तरह से यूटी अंडमान निकोबार को भी मिड डे मील एक से बारह कक्षा तक दिया जाए। खाने के सामान का दाम भारत में सबसे ज्यादा अंडमान निकोबार द्वीप समूह में है। उसे देखते हुए आज के मार्केट रेट पर मिड डे मील का रुपया बढ़ा कर दिया जाए।

MADAM SPEAKER: Shri A. Sampath. Please sit down. Please take your seat.

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Nothing will go on record except what Shri Sampath says.

*(Interruptions) â€¦ **